

26/2

पञ्जावली का 10 फेरा डुरी नादीगण
एव प्राप्तिनादीगण को तब तक
राजीनामा जस्टिस हुका वादीकार्षिक
में प्राप्ति राजीनामा वाद लखनौ
अधी जाय का कि उदय किंचि।
कस पर भगत किंचि तथा राजीनामों
का प्रवर्तन किंचि गय किंचि
राजीनामों पर सम्पूर्ण प्राप्तिनादीगण
के हस्तक्षेप नही हो तब तक ही
राजीनामों के लिये दस्तावेज
गणनी नक्का कुमार राजीनामों
के लिये दस्तावेज प्रेषित करि किंचि
राजीनामों कुमार वाद लखनौ
करना व्याप्त किंचि उरी नही होत है
कस राजीनामा करुनीगत कर
वादीगण का वाद प्रार्थित किंचि
आराज पञ्जावली जस्टिस हुका
दोहर दोहर दायील ही

[Handwritten signature]

अध्यक्ष कलकत्ता अधिकारी

लुणा